बीएसटीसी अभ्यर्थियों को राहत, लेवल प्रथम में बीएड उत्तीर्ण लाखों अभ्यर्थी अपात्र घोषित

हाइकोर्ट ने एनसीटीई का नोटिफिकेशन खारिज किया

सादुलपुर/जोधपुर, (निसं)। रीट भर्ती 2021 मामले में गुरुवार को राजस्थान हाई कोर्ट जोधपुर की ओर से बीएसटीसी अभ्यर्थियों के लिए बडी राहत की खबर आई है। वहीं चीफ जस्टिस अकील कुरैशी व जस्टिस सुदेश बंसल की खंडपीठ ने प्राथमिक अध्यापक लेवल एक में बीएड उत्तीर्ण लाखों अभ्यर्थियों को अपात्र मानते हुए उक्त पद के लिए केवल बीएसटीसी डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को ही पात्र घोषित किया है। साथ ही प्राथमिक अध्यापक लेवल एक हेतु बीएड डिग्री उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को शामिल करने के एनसीटीई के नोटिफिकेशन को भी खारिज कर दिया है । इस मामले में मुख्य न्यायाधीश की कोर्ट ने तीन दिन रोजाना ढाई से तीन घंटे तक सुनवाई की। इसके साथ ही अध्यापक लेवल एक के लिए केवल बीएसटीसी डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को उक्त भर्ती में शामिल करने की लम्बे समय से चली आ रही मांग पर भी मुहर लगने से जहां बीएसटीसी अभ्यथियों में खुशी की लहर है। वहीं उक्त भर्ती में विशेष शिक्षकों के करीब पांच हजार पद सृजित करने की प्रदेश के बेरोजगारों की मांग अभी भी अधूरी है। विशेष शिक्षा में डिप्लोमा उत्तीर्ण पात्र अभ्यर्थी लगातार अपनी मांग को लेकर जयपुर में धरने पर हैं।

साथ ही रीट परीक्षा उत्तीर्ण लाखों

- **विशेष शिक्षकों के करीब पांच हजार पद सृजित करने की प्रदेश के बेरोजगारों की मांग अभी भी अधूरी**

बेरोजगार पिछले कई दिनों से रीट भर्ती-2021 में सरकार द्वारा घोषित 31000 पदों की संख्या को बढ़ाकर 50 हजार करने की मांग को लेकर भी पुरजोर तरीके से अपनी मांग सरकार के सामने रख रहें हैं। बेरोजगारों का कहना है कि कोरोना काल के चलते राज्य सरकार समय पर भर्ती नहीं करा पाई। इसलिए अब पद बढाए जाने चाहिए। वहीं पदों की संख्या में बढोतरी की मांग के पीछे बेरोजगारों का यह तर्क है कि घोषणा के दो साल बाद भी भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हुई। दो साल में बीएड और बीएसटीसी के करीब ढाई लाख नए अभ्यर्थी शिक्षक भर्ती की दौड में शामिल हो गए। तथा लगातार रिटायर हो रहे शिक्षकों के कारण खाली पदों की संख्या बढ गई है। दिव्यांग बच्चों की शिक्षा पर नजर डालें तो वर्तमान में प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विशेष आवश्यकता वाले एवं दिव्यांग छात्र का नामांकन 70000 से भी अधिक है, लेकिन उनके अध्यापन के लिए केवल 1326 विशेष अध्यापक ही कार्यरत हैं जो कि आरटीई के नियमों का उल्लंघन भी है तथा विशेष श्रेणी के छात्रों की समुचित शिक्षा व्यवस्था पर बडा प्रश्न चिह्न भी है। सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग विद्यार्थियों के अनुपात में उन्हें पढाने के लिए नियुक्त विशेष अध्यापकों की संख्या बहुत ही कम है। जिसके परिणाम स्वरूप नामांकित दिव्यांग बच्चे पिछले वर्षो में बडे स्तर पर सरकारी स्कूलों से ड्रॉप आउट हुए हैं।

नाइजीरियन गैंग चला रहा हेरोइन तस्करी का नेटवर्क

ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी हेरोइन नशे के आदी हो रहे हैं

हनुमानगढ़, (निसं)। हरियाणा और पंजाब की सीमा से सटे हनुमानगढ़ जिले में हेरोइन की खपत और तस्करी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी हेरोइन नशे के आदी हो रहे हैं। तस्करी का नेटवर्क बड़े पैमाने पर फैल गया है। इस पूरे नेटवर्क की जड़ें दिल्ली में नाइजीरियन गैंग से जुड़ी बताई जाती हैं, लेकिन पुलिस के लिए इन तक पहुंचना बेहद मुश्किल है। इसकी वजह नाइजीरियन गैंग की कार्यप्रणाली है। एक थानाधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि दिल्ली में दबिश देकर इस गैंग के सदस्यों को पकड़ना करीब-करीब नामुमकिन हो जाता है।

- **पिछले कुछ साल से तेजी से बढ़ रहा कारोबार, दिल्ली से जुड़े हैं तार**

थानाधिकारी के अनुसार नशे की तस्करी से जुड़े नाइजीरियाई लोग अपना ठिकाना किसी को नहीं बताते। छोटे शहरों व कस्बों में तस्करी करने वाले लोगों को मेट्रो के अलग-अलग पिलर नम्बर का एड्रेस दिया जाता है। पुलिस किसी तरह पता लगाकर उस जगह पहुंच भी जाए तो नाईजीरियन तस्कर सीधे वहां नहीं आते। उनके आने से पहले कुछ स्थानीय लोग रैकी करते हैं। कुछ भी संदिग्ध मिलता है तो मुख्य सप्लायर बताई हुई जगह पर पहुंचता ही नहीं है।

हनुमानगढ़ जिले में हेरोइन का नेटवर्क बेहद खतरनाक ढंग से बढ़ रहा है। एक मोटे अनुमान के मुताबिक इस साल 2 हजार 500 ग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई है। पिछले साल महज 635 ग्राम हेरोइन ही जब्त हुई थी। यही मात्रा 2016 में सिर्फ 18 ग्राम थी। हेरोइन की बड़ी मात्रा में बरामदगी पुलिस की कामयाबी है लेकिन इससे क्षेत्र में बढ़ रहे नेटवर्क की भी पुष्टि होती है।

भारतीय नेवी में तैनात जवान की शादी से चार दिन पहले मौत

राजकीय सम्मान के साथ गांव जाटका में की गई जवान की अंत्येष्टि

किशनगढ़बास, (निसं)। भारतीय नेवी में तैनात अधिकारी राहुल की शादी में आने का हर किसी को इंतजार था । किसी ने नहीं सोचा था की घोड़ी चढ़ने से पहले राहुल की अर्थी को कंधा देना पड़ेगा। अलवर जिले के किशनगढ बास के गांव जाटका के भारतीय नेवी कोटा

- **तिरंगे में लिपटे राहुल को देख मचा कोहराम**
- **हृदयगति रूकने से मौत होने की संभावना, सेना की टीम करेगी मौत के कारणों की पुष्टि**

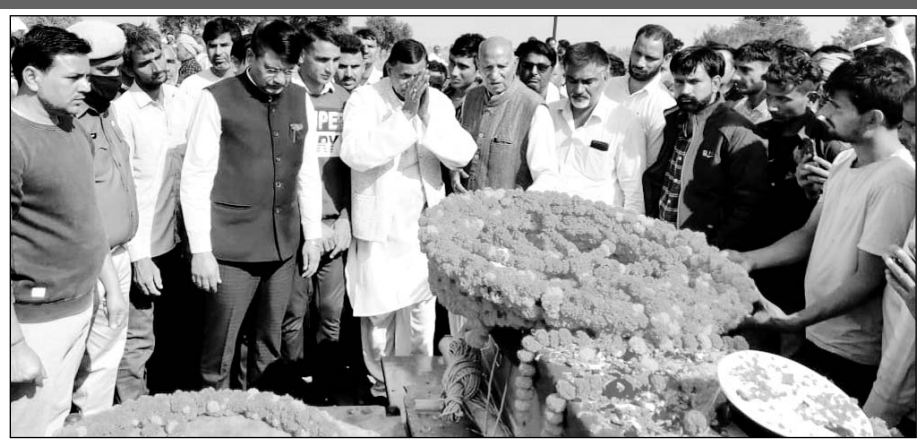

किशनगढ़बास के गांव जाटका में विधायक, प्रधान, एसडीएम सहित अधिकारी एवं गणमान्य लोगों ने सैनिक राहुल के पार्थिक देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया।

हाउस नई दिल्ली में तैनात युवक राहुल खेरिया की शादी से 4 दिन पहले हृदय गति रुकने से मौत हो गई हालांकि युवक राहुल का पार्थिव देह लेकर जाटका पहुंचे नौसेना के अधिकारियों की टीम ने इसकी पुष्टि नहीं की है और कहा है कि रिपोर्ट आने पर बताया जाएगा।

युवक की 30 नवंबर को शादी थी और वह छुट्टी लेकर 24 व 25 नवंबर को घर आने की तैयारी कर रहा था कि अचानक सीने में दर्द उठा और सांस वहीं रुक गई । युवक राहुल का पार्थिक देह गुरुवार को जब नौसेना के अधिकारी गांव लेकर पहुंचे तो हर किसी की आंखों में आंसू थे। नौसेना के अशोक कुमार ने बताया कि राहुल सी ई ए आई वन के पद पर नई दिल्ली कोटा हाउस में तैनात था 23 नवंबर दोपहर करीब 2 बजे राहुल खेरिया वीरगति को प्राप्त हो गए। राहुल शादी के कार्ड छप गए लोगों को निमंत्रण भेज दिए गए थे ।

विधायक दीपचंद खैरिया को राहुल के निधन होने की सूचना मिलने पर वे सारे कार्यक्रम निरस्त कर राहुल के परिजनों का ढ ांढस बंधाने घर पहुंचे। तिरंगे में लिपटे राहुल खेरिया के पार्थिव शरीर पर विधायक दीपचंद खैरिया, एसडीएम ओमप्रकाश सहारण, प्रधान बद्री प्रसाद सुमन, थाना अधिकारी अमित चौधरी सहित पहुंचे अधिकारी जनप्रतिनिधियों ने पुष्प चक्र अर्पित कर नमन किया।

मंडोर खुली जेल में पिता बना हैवान

जोधपुर, (कासं) । शहर की खुली जेल मंडोर में एक पिता अपनी ही मासूम पुत्री से हैवानियत पर उतर आया। झगडालू पति से तंग आकर उसकी पत्नी अपने पीहर सिरोही चली गई। रेवदर थाने में बच्ची ने पिता द्वारा किए जा रहे हैवानियत की कहानी बयां की और केस दर्ज करवाया। मामला मंडोर पुलिस के अनुसार सिरोही जिले के रेवदर हलके में रहने वाली एक महिला ने यह रिपोर्ट दी है । इस रिपोर्ट में बताया गया है कि

- **जीरो नंबर एफआईआर पर मंडोर थाने में केस दर्ज**

उसका पति गणेशराम हत्या के केस में सजा काट रहा है। वह खुली जेल में पति के साथ रहती थी। पति गणेशराम ने अपनी 12-13 साल की बच्ची से दुष्कर्म किया। बाद में उसकी हैवानियत बढ़ती गई। पति के आए दिन मारपीट एवं झगड़े से तंग आकर वह पीहर आ गई। पीहर से रेवदर थाने में केस दर्ज करवाया। मंडोर पुलिस ने बताया कि घटना चूंकि मंडोर खुली जेल की है। ऐसे में रेवदर से मिली जीरो नंबर की एफआईआर पर पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। थानाधिकारी गुरमेल सिंह आज सुबह बच्ची के बयान लेने के लिए गए है। फिलहाल प्रकरण में गहन अनुसंधान किया जा रहा है।

पालिका की हठधर्मिता, सीएचसी स्टाफ गंदगी में रहने को मजबूर

थानागाजी सीएचसी के पास लगा कचरे का ढेर।

थानागाजी, (निसं)। कस्बे की नगरपालिका की ओर से नगरपालिका क्षेत्र का कचरा सीएचसी के पीछे डाला जा रहा है जिसकी दुर्गंध के कारण सीएचसी स्टाफ को आवासीय क्वार्टर तक खाली करने पड़ रहे हैं इतना ही नहीं वार्ड में भर्ती मरीजों का भी हाल बेहाल रहता है मरीजों के साथ आने वाले परिजन दुर्गंध के कारण वार्ड में मरीज की देखरेख करने के लिए नहीं रूक पाते हैं। जबकि इसकी शिकायत सीएचसी प्रभारी डॉ. दुलीचंद मीणा के द्वारा नगरपालिका को लिखित शिकायत कर दी गई हैं लेकिन अभी तक कोई स्थाई समाधान के लिए नगरपालिका के कान में जूं तक नहीं रेंग रहीं। इतना ही

- **नगरपालिका की ओर से कचरा सीएचसी के पीछे डाला जा रहा है**

नहीं नगरपालिका की ओर से डाले जा रहे कचरा की जगह के सामने आईटीआई कॉलेज भी है जहां पर सैकड़ों प्रशिक्षणार्थी रोज कॉलेज आतें हैं फिर भी नगरपालिका की ओर से अनदेखी की जा रही हैं।

सीएचसी के डॉ. देशराज मीणा ने बताया कि नगरपालिका की ओर से सीएचसी के पीछे डाले जा रहे कचरे की दुर्गंध से क्वार्टरों में रहना तो दूर मरीजों का इलाज करना तक दुर्लभ हो रहा है इसके कारण दो सीएचसी स्टाफ ने क्वार्टर खाली कर दिए नगरपालिका को लिखित शिकायत करने के बाद इसका कोई समाधान नहीं किया गया है। समय रहते नहीं किया समाधान तो सीएचसी स्टाफ करेगा कार्य बहिष्कार कर विरोध।

नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी अरूण शर्मा से बात की गई तो सफेद झूठ बोला गया था कि वहां पर पडे कचरे पर मिट्टी डाल दी गई हैं तथा जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर अन्यत्र जगह कचरा डालने का स्थान मांगा गया है। मौके पर कोई मिट्टी नहीं डाली गई हैं नगरपालिका अपनी जिम्मेदारी से मुहं मोड रही हैं तथा अधिकारी झूठे बयान दे रहे हैं।

नगरपालिका ने पूर्ण हो चुके कामों की जारी कर दी निविदा

डीडवाना, (निसं)। लगातार कई मामलों में भ्रष्टाचार व अनियमितताओं के आरोपों के बाद डीडवाना नगर पालिका का एक नया भ्रष्टाचार सामने आया है। नगर पालिका अध्यक्ष और अधिशाषी अधिकारी चहेते ठेकेदारों के साथ मिलकर सरकारी कोष को चूना लगाने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में नगर पालिका की ओर से 45 लाख रुपए के तीन अलग-अलग कामों के टेंडर जारी किए गए हैं। हैरत की बात तो यह है कि इनमें से दो काम तो पहले ही हो चुके हैं, जबकि तीसरा काम जिस स्थान पर होना दर्शाया गया है वह क्षेत्र नगरपालिका के अधिकार क्षेत्र में ही नहीं है।

डीडवाना नगर पालिका द्वारा हाल ही में 3 कामों के टेंडर जारी किए गए, जिसमें एक पोल स्टार स्कूल के पास, नागौर रोड पर और मेगा हाईवे पर डब्ल्यूबीएम सडक निर्माण कार्य के

- **45 लाख रुपए की बंदरबांट की आशंका, भ्रष्टाचार हुआ उजागर**

लिए 23.19 लाख, स्टेशन रोड से टिकट खिड़की तक सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए 13 लाख रुपए का टेंडर जारी किया गया है। वही वार्ड नंबर 37 में भी सडक के दोनों और नाला निर्माण के लिए 7.07 लाख की निविदा जारी की गई है। जबकि विश्वस्त सूत्रों के अनुसार उपरोक्त कार्य टेंडर निकाले जाने से पूर्व ही किए जा चुके हैं। अब इन कामों के नाम पर केवल बजट उठाने के लिए टेंडर निकाले गए हैं, ताकि सरकारी पैसे का बंदरबांट की जा सके। यह भी आश्चर्यजनक पहलू है कि अस्पताल चौराहा से रेलवे स्टेशन तक सडक स्टेट हाईवे 60 है, जो कि पीडब्ल्यूडी के अधीनस्थ आती है। वही रेलवे परिसर की बाउंड्री से टिकट खिडकी तक का क्षेत्र रेलवे का अधिकार क्षेत्र है।

अस्पताल चौराहे से लेकर रेलवे स्टेशन तक पीडब्ल्यूडी की सीसी सड़क बनी हुई है और रेलवे परिसर में भी ब्लॉक सडक मौजूद है। इसके बावजूद इस सडक के नाम पर 13 लाख रुपए की बंदरबांट के लिए निविदा जारी कर दी गई, जो स्पष्ट रूप से भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। इस मामले में नगर पालिका ने निविदा शुल्क व निविदा धरोहर राशि, डीडी व बैंक का चेक जमा कराने की तिथि 27 नवंबर निर्धारित की है, जो कि शनिवार अवकाश का दिन है। ऐसे में यह भी सवाल उठता है कि इस प्रक्रिया के लिए शनिवार को छुट्टी का दिन ही क्यों चुना गया।

बीकानेर में कोरोना के 5 एक्टिव केस, गुरूवार को एक नया कोरोना पॉजिटिव

बीकानेर, (कासं)। जिले में तीन दिन में पांच कोरोना पॉजिटिव सामने आने के बाद गुरुवार को बीकानेर में एक पॉजिटिव आया। इसके साथ ही हेल्थ डिपार्टमेंट अब एक्शन मोड पर आ गया है। जिन सरकारी अस्पतालों में कोविड जांच नहीं हो रही है, वहां के डॉक्टर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सीएमएचओ डॉ. ओ.पी. चाहर ने बताया कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के सभी हॉस्पिटल्स में कोरोना जांच की सुविधा उपलब्ध है। यहां आरटीपीसीआर के अलावा रेंडम जांच किट भी दी गई है। किसी भी जांच में पॉजिटिव पाए जाने पर कोरोना रिकार्ड में दर्ज किया जा रहा है।

डॉ. चाहर ने बताया कि कुछ अस्पतालों में जांच का लक्ष्य पूरा नहीं हो रहा है। इस पर संबंधित डॉक्टर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। हर अस्पताल को अलग अलग जांच के टारगेट दिए गए हैं। डॉ. चाहर ने बताया कि अधिकांश बुखार के रोगी कोरोना जांच नहीं करवा रहे। कोरोना के बजाय डेंगू की जांच करवाते हैं। अधिकांश रोगी स्वयं के वैक्सीनेट होने की बात कहते हुए कोरोना जांच से दूर हो रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से सभी डॉक्टर्स को कोरोना जांच अधिक से अधिक कराने के निर्देश है। इसके बाद भी रोज तीन सौ जांच भी नहीं हो रही है। पूरे जिले में ढाई सौ के आस-पास जांच हो रही है जबकि हर ब्लॉक का टारगेट तीन सौ है।

आज होगा जैसलमेर में सेना की एक्सरसाइज का समापन

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में चल रही ये एक्सरसाइज का आज समापन होगा , इस दौरान करीब 400 पैराट्रूपर्स एक साथ पैरा जंप करेंगे। ये पहला मौका है जब पाकिस्तान से सटी सीमा पर नई टेक्नोलॉजी से वॉर एक्सरसाइज की जा रही है। भविष्य के युद्ध परमाणु शक्ति से लैस देशों के बीच कम समय में और सीमित स्थान पर लडे जा सकते हैं । ऐसे में उनमें इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप बनाए जाने लगे हैं।

इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप की कमान मेजर जनरल रैंक के एक अधिकारी के पास होगी । इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप में सेना , थलसेना और वायुसेना के माहिर जवान होंगे । इस ग्रुप में टैंक , तोप , इंजीनियर्स , लॉजिस्टिक , सपोर्ट यूनिट भी होगी । अब तक ये सब अलग - अलग यूनिट के तौर पर तैनात हैं । युद्ध के वक्त एक साथ आते हैं , लेकिन अब सबको मिलाकर छोटा और मारक ग्रुप बनाया जा रहा है । इसका सिचुएशनल ट्रायल भी चल रहा है।

- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में होगा कार्यक्रम**

भारतीय सेना इन दिनों भारत - पाकिस्तान बॉर्डर पर दक्षिण शक्ति नाम से सबसे बड़ा युद्धाभ्यास कर रही है । करीब 500 किलोमीटर के दायरे में चल रहे इस युद्धाभ्यास में थल सेना के साथ वायुसेना भी शामिल है । दोनों ही मोर्चों पर दुश्मनों पर हमले का अभ्यास किया जा रहा है । गुजरात के कच्छ में भी ऐसा ही युद्धाभ्यास चल रहा है , जिसमें एक साथ आर्मी, नेवी और एयरफोर्स की वॉर एक्सरसाइज चल रही है , जिसे दक्षिण शक्ति का नाम दिया गया है। इसमें कुल 30 हजार जवान हिस्सा ले रहे हैं।

इस युद्धाभ्यास का समापनआज शुक्रवार को होगा । समापन समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हो सकते हैं । गुरुवार को थल सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे इसके साक्षी रहे । तीनों सेना थार के रेगिस्तान से लेकर कच्छ के रण तक युद्धाभ्यास कर रही है । करीब 500 किलोमीटर के दायरे में चल रहे इस वॉर एक्सरसाइज में सेना ने पूरी ताकत झोंक दी है। युद्धाभ्यास दक्षिण शक्ति के तहत सेना ने रेगिस्तान में अपनी क्षमता को परखा।

युद्धाभ्यास में दुश्मन के स्ट्रेटेजिक पॉइंट पर कब्जा भी किया जा सके । इसी को ध्यान में रखकर एयर स्पेस , साइबर , इलेक्ट्रॉनिक एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी को आजमाया जा रहा है । इस युद्धाभ्यास में देश में ही विकसित हल्के लडाकू हेलिकॉप्टर के अलावा ड्रोन का भी उपयोग किया जा रहा है । इस वॉर एक्सरसाइज में आर्मी , नेवी , एयरफोर्स के अलावा कोस्ट गार्ड , बीएसएफ , पुलिस और दूसरी इंटेलिजेंस एजेंसियां शामिल हुई हैं। इन सबके बीच तालमेल को परखा जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग कोरोना की दूसरी डोज लगाए बिना ही मोबाइल पर भेज रहा संदेश

करौली, (निं.सं.)। राज्य सरकार और जिला प्रशासन कोरोना महामारी बचाव के लिए कोविड टीकाकरण में अव्वल रहने की वाहवाही लूट रहा हो मगर सत्यता यह है कि यहां कोविड टीका लगाए बिना ही लोगों के कोविड का टीका लगना दर्शा कर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इसका उदाहरण करौली के निकटवर्ती सोहनपुरा निवासी दीपक शर्मा, राहुल शर्मा और रमा शर्मा है जिनके कोविड का पहला डोज तो लगा है मगर दूसरा डोज आज तक नहीं लगा और चिकित्सा प्रशासन ने अपने नंबर बनाने की खातिर दूसरी डोज लगाए बिना ही कागजों में दूसरी डोज लगना दर्शा कर उनके मोबाइल पर मैसेज डाल दिया।

गौरतलब यह है कि जब दीपक शर्मा,राहुल शर्मा और रमा शर्मा के मोबाइलों पर कोरोना महामारी से बचाव के दूसरी डोज़ लगाने का मैसेज पहुंचा तो तीनों व्यक्ति सकते में आ गए कि हमारे दूसरी डोज लगी नहीं और

- **'मामले की जांच कराएंगे कि आखिर ऐसा क्यों हुआ'**

चिकित्सा प्रशासन ने दूसरी डोज कागजों में लगाना दर्शा दिया। जिसकी सूचना उन्होंने संवाददाता को मोबाइल पर देकर स्पष्ट की है। राहुल और दीपक शर्मा के सायं 5:07 बजे पर टीका लगने का मैसेज डाला गया है पहली बात तो यह है कि क्या दोनों के एक ही समय में टीका लगाया गया जो संभव नहीं है। दूसरी ओर राहुल बीते लंबे दिनों से यहां मौजूद ही नहीं है। जो अहमदाबाद में किसी निजी अस्पताल में काम करता है। उसके उपरांत भी चिकित्सा प्रशासन ने उसके कोई टीका लगाना दर्शा दिया । इस मामले को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश मीणा ने कहा कि मामले की जांच कराएंगे कि आखिर ऐसा क्यों हुआ है वहीं जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहांग का कहना है कि मामले की जांच कराई जाएगी।

वीजा पासपोर्ट में लगाए फर्जी दस्तावेज

जोधपुर, (कासं) । शहर के गांगाणी, झंवर और सालवास क्षेत्र में कई पाक विस्थापित निवास कर रहे हैं । इन्हें स्वदेश भेजे जाने की प्रकिया भी चलती आ रही है। गत दिनों काफी संख्या में पाक विस्थापितों को करवड क्षेत्र में रोका गया था। इनके दस्तावेजों की जांच इंटेलीजेंस द्वारा की जा रही है। दस्तावेजों की जांच में दो शख्स के खिलाफ फर्जी कागजात का दुरूपयोग कर पासपोर्ट वीजा के लिए आवेदन करना सामने आया।

इस पर अब पारपत्र एवं विदेशी अनुसंधान इंटेलीजेंस के प्रभारी निरीक्षक मोहनदास की तरफ से उदयमंदिर थाने में धोखाधडी का केस दर्ज करवाया गया है। दर्ज रिपोर्ट में पारपत्र एवं विदेशी अनुसंधान इंटेलीजेंस के मोहनदास ने बताया कि झंवर रोड स्थित अलकोसर निवासी महराज पुत्र हरको भील एवं धर्मकांटे के सामने रामनगर बोरानाडा निवासी नृसिंह पुत्र धूडाराम ने फर्जी तरीके से पासपोर्ट वीजा के लिए आवेदन किया था। इनके दस्तावेजों की जांच के बाद खुलासा हो पाया।

श्रीनाथजी पीठ : 24 एकड़ भूमि पर बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया भूमिपूजन और शिलान्यास

उदयपुर, (कासं)। राज्यपाल एवम कुलाधिपति कलराज मिश्र ने गुरुवार को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (सुविवि.) के नए विस्तारित परिसर के रूप में श्रीनाथजी पीठ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। यह परिसर प्रसिद्ध वैष्णवतीर्थ नाथद्वारा के पास स्थित बिलोता गांव में 24 एकड़ भूमि पर बनेगा जो कि विश्वविद्यालय के नार्थ कैम्पस के तौर पर जाना जाएगा। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि आज के दौर में नवाचार के माध्यम से कौशल विकास किया जाए शिक्षा सीधे रोजगार से जुड़ जाएगी।

उन्होंने कहा कि शिक्षा में अकादमिक कार्यों के साथ ही संस्थागत विकास और विस्तार भी बहुत जरूरी है और इस परिसर का विस्तार इसी का एक हिस्सा है। मिश्र ने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में नए शोध और विश्व स्तरीय नवाचारों के लिए भी चिंतन करना चाहिए। महिला महाविद्यालय खोलने की बात पर राज्यपाल ने प्रसन्नता जाहिर की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने कहा कि आज एजुकेशन में एक्सटेंशन के बारे में सोचने व चिंतन करने का

राज्यपाल कलराज मिश्र ने नाथद्वारा के समीप बिलोता गांव में सुखाड़िया विवि के श्रीनाथजी पीठ-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भूमिपूजन-शिलान्यास किया।

समय आ गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी और कई नए विषयों के बारे में ग्रामीण युवाओ और खेतीहर लोगों को भी बताना बहुत जरूरी है।

मोहनलाल सुखाड़िया विवि. के कुलपति प्रो अमेरिका सिंह ने सभी अतिथियों का पगड़ी और उपरना पहना कर स्वागत किया। प्रो सिंह ने कहा कि परिसर में नवाचारों से युक्त रोजगार परक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। वल्लभ दर्शन, मंदिर प्रबंधन, हवेली संगीत, पिछवाई कला, ज्योतिष सहित भागवत दर्शन के कई कोर्स संचालित होंगे। उन्होंने बताया कि यहां एक श्रीनाथ गैलरी भी बनाई जाएगी, साथ ही वल्लभ दर्शन पर आधारित लाइव शो भी शुरू किया जाएगा। यहां कौशल विकास केंद्र भी खोला जाएगा जिसमें करीब 25 रोजगार परक पाठ्यक्रम शुरू होंगे। उच्च शिक्षा मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने विश्वविद्यालय के नए परिसर के शिलान्यास पर सभी को बधाई दी। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा कि बिलोता में परिसर विस्तार विवि के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

- **शिक्षा में संस्थागत विकास और विस्तार भी जरूरी : राज्यपाल कलराज मिश्र**